जीविका
ग्रामीण विकास विभाग, बिहार सरकार

जीविका समाचार पत्रिका

।। माह – नवंबर 2020 ।। अंक–04 ।। केवल आंतरिक वितरण हेतु।।

अन्दर के पृष्ठों में...

शत–प्रतिशत मतदान का संकल्प
(पृष्ठ – 02)

भरोसे की जीत
मतदाता जागरूकता अभियान
(पृष्ठ – 03)

सामुदायिक शिकायत प्रबंधन
एवं निवारण प्रणाली
(पृष्ठ – 04)

जब तक दवाई नहीं, तब तक ढिलाई नहीं

त्योहारों के मौसम में बीमारी का बढ़ सकता है खतरा

कोरोना संक्रमण से बचने के लिए घर पर ही सावधानीपूर्वक मनाएँ त्योहार

भारत एक ऐसा देश है, जिसकी पहचान यहाँ के पर्व–त्योहार हैं। देश में सभी धर्मों के लोग किसी भी पर्व को धूमधाम से मनाते हैं। नवम्बर त्योहारों का महीना है। इस महीने में दीपावली के साथ बिहार का सबसे बड़ा पर्व छठ भी मनाया जाएगा। इसी माह में करवा चौथ, भाई दूज एवं चित्रगुप्त पूजा जैसे त्योहार भी हैं। कोरोना संक्रमण के इस दौर में पर्व–त्योहार में विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है ताकि कोरोना वायरस के संक्रमण से बचा जा सके। एक स्थान पर अत्यधिक भीड़ एवं असावधानी हमसब को मुश्किलों में डाल सकती है। हमसब यह कोशिश करें कि कहीं भी बड़ी संख्या में इकट्ठा ना हो एवं त्योहार घर में ही मनावें। हमें अपनी सुरक्षा एवं राष्ट्रहित में सरकार के निर्देशों का पालन करना चाहिए। खासकर पर्व–त्योहारों में सावधानी बरतकर अपने राज्य एवं राष्ट्र की मदद कर सकते हैं। वैश्विक महामारी कोरोना का संक्रमण एक–दूसरे से फैलता है। इसे सभी को ध्यान में रखना होगा। छठ का बिहार में काफी महत्त्व है। बिहार के अधिकतर घरों में छठ पर्व मनाया जाता है। प्राय: यह पूजा एक जगह एकत्रित होकर किया जाता है। यदि इस समय एक जगह एकत्रित होकर पूजा करेंगे तो कोरोना संक्रमण का खतरा और अधिक हो सकता है। इसे देखते हुए हम सब अपने–अपने घरों में ही पूजा करेंगे तो हम खुद तो बीमारी से बच ही सकते हैं साथ ही अपने परिजनों को भी सुरक्षित रख सकते हैं।

इस समय पूरी दुनिया वैश्विक महामारी कोरोना से परेशान है। ऐसी स्थिति में सभी को अपनी भूमिका निभानी होगी। कोई भी ऐसा कार्य नहीं करना है जिससे कोरोना का संक्रमण बढ़े। इसके लिए सामाजिक दूरी का ध्यान रखना आवश्यक है। घरों से बाहर निकलने से पहले मास्क पहनना आवश्यक है। कोरोना को हराने के लिए सामाजिक दूरी का ध्यान रखना आवश्यक है। साथ ही बार–बार हाथों को धोने एवं साफ–सफाई का भी ध्यान रखना होगा। तालाबंदी में धीरे धीरे छूट दिए जाने के बाद जिन राज्यों में त्योहारों से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए गए, उनमें कोरोना वायरस संक्रमण के मामले बढ़ गए। करवा चौथ, दीवाली, भैया दूज, छठ जैसे त्योहारों को देखते हुए संक्रमण के मामलों में उछाल आने की प्रबल आशंका है, जिसे हम अपने समेकित प्रयास से रोक सकते हैं। अगर आने वाले त्योहारों को लेकर जीविका दीदियों ने अत्यधिक सावधानी नहीं बरती तो संक्रमण के मामलों के बढ़ने की आशंका हो सकती है।

कोरोना के मामले में जीविका दीदियों को हमेशा ध्यान में रखना होगा कि जब तक कोरोना की दवाई उपलब्ध नहीं हो जाती, तबतक इससे बचाव ही इसका उपचार है। इसलिए– 'जबतक दवाई नहीं, तबतक ढिलाई नहीं।'

शत-प्रतिशत मतदान का संकल्प मतदाता जागरूकता अभियान का आयोजन

बिहार विधानसभा चुनाव में शत–प्रतिशत मतदान के लिए जीविका, समस्तीपुर द्वारा मतदाता जागरूकता अभियान का संचालन किया गया। सदर प्रखंड अंतर्गत विशनपुर एवं केवस निजामत पंचायत में किरण संकुल संघ द्वारा मतदाता जागरूकता अभियान के तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।

जागरूकता गतिविधि के तहत हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। हस्ताक्षर अभियान में बड़ी संख्या में दीदियों ने हस्ताक्षर कर शत–प्रतिशत मतदान का संकल्प व्यक्त किया। दीदियों ने खुद एवं आस–पास के मतदाताओं को प्रेरित कर मतदान करने का शपथ भी दिलवायी। मौके पर जीविका दीदियों द्वारा रंगोली का निर्माण, मेहंदी लगाना, प्रभात फेरी आदि का भी आयोजन किया गया।

किरण संकुल संघ की अध्यक्ष रीता देवी ने बताया कि जागरूकता कार्यक्रम में जीविका के जिला परियोजना प्रबंधक गणेश पासवान, सामाजिक विकास प्रबंधक मनोज रंजन, प्रखंड परियोजना प्रबंधक नीलेश कुमार सिन्हा, सामुदायिक समन्वयक गुंजन सहित बड़ी संख्या में कैडर एवं दीदियाँ उपस्थित थीं। रीता देवी ने बताया कि मतदान जागरूकता अभियान का व्यापक असर देखा गया।

दरवाजा खटखटाओ मतदान के लिये बुलाओ

चुनाव लोकतंत्र का महापर्व है। मतदान के अधिकार को सुनिश्चित करने के लिए कटिहार जिला प्रशासन के स्वीप कोषांग द्वारा जीविका दीदियों को महिलायों के साथ ही ग्रामीणों को जागरूक करने की जिम्मेवारी दी गई। जीविका दीदियों द्वारा जीविका के सभी संगठनों के बीच विभिन्न प्रकार की गतिविधियों का आयोजन किया गया जैसे शपथ ग्रहण, बैठकों में परिचर्चा, रैली, प्रभात फेरी, रंगोली, बैनर, पोस्टर, दीवाल–लेखन इत्यादि। महिला वोटिंग प्रतिशत पर अलग फोकस, कुछ चुनिंदा क्षेत्रों में/कुछ चुनिंदा सामाजिक समूहों के साथ सघन अभियान, जहाँ पिछले दो या तीन लगातार हुए विधान सभा और लोक सभा चुनावों में कम वोटिंग प्रतिशत वाले मतदान केन्द्रों के कैचमेंट एरिया में बुलावा टोलियों का गठन कर उनके द्वारा घर–घर मतदाताओं को जागरूक करने के लिये सघन अभियान, दरवाजा खटखटाओ मतदान के लिये बुलाओ अभियान। चलाए गए इस अभियान के दौरान जीविका समूह के सदस्यों द्वारा डोर टू डोर विजिट टीम (बुलावा टोली) का गठन किया गया (एक टीम में 4–5 समूह की दीदी)। कटिहार में कुल 1505 बुलावा टोली द्वारा 181258 घरों का भ्रमण कर कुल 333521 मतदाताओं को जागरूक किया गया एवं वोट डालने हेतु प्रेरित किया गया। प्रत्येक 5–10 परिवारों के लिये एक बुलावा टोली का गठन किया गया। जीविका बुलावा टोली की दीदियों द्वारा घर–घर जाकर हस्ताक्षर अभियान शुरू किया गया और अपने क्षेत्र में लोकतंत्र के महापर्व में शत–प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित करने की शपथ दिलावायी गयी।

भरोसे की जीत
मतदाता जागरूकता अभियान

जीविका दीदियाँ विभिन्न अभियानों के माध्यम से लोगों को उनके अधिकार और कर्त्तव्य के प्रति जागरूक करते हुए समाज को नई दिशा दे रही है। इसी कड़ी में पिछले दिनों मतदाता जागरूकता अभियान को लेकर जीविका दीदियाँ बड़ी भूमिका में रहीं।

कोरोना काल में हो रहे चुनाव में मतदान प्रतिशत बढाने के उद्देश्य से एक बार फिर प्रशासन ने जीविका दीदियों को बड़ी जिम्मेवारी दी। पिछले चुनावों में जागरूकता अभियान और अन्य कार्यक्रमों के माध्यम से मतदान प्रतिशत बढत्राने में अहम योगदान दिया है। इस बार भी मतदान प्रतिशत बढ़ाने की जिम्मेवारी जीविका दीदियों पर ही है। प्रथम चरण का चुनाव 28 अक्टूबर को होना है।

बक्सर जिले में भी मतदान की तिथि 28 अक्टूबर है और इस दिन लोग अपने–अपने मतों का शत–प्रतिशत प्रयोग करें इसकी कमान जीविका दीदियों ने संभाल रखी है। "वोट हमारा अनमोल है इसका कभी न लेंगे मोल" और "लोकतंत्र है हमसे वोट करो गर्व से" जैसे स्लोगन के साथ मत प्रतिशत बढाने के लिए जिले में जीविका दीदियों ने अभियान चला रखा है। चुनाव की घोषणा के बाद से ही जीविका दीदियाँ बड़ी भूमिका में हैं। वे स्वयं सहायता समूह, ग्राम संगठन एवं संकुल स्तरीय संघ के माध्यम से घर–घर जाकर मतदाता जागरूकता अभियान के तहत मतदाताओं को मताधिकार का महत्त्व समझा रही हैं।

अपने दम पर दीदियों ने आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ाये कदम

सुपौल जिले के मरौना प्रखंड में बड़हारा पंचायत के पंचगछिया गांव स्थित भोला जीविका स्वयं सहायता समूह की दीदियों ने रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण केंद्र की शुरुआत कर इस गांव की गरीब लड़कियों एवं महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक अनोखी पहल की है। इस प्रशिक्षण केंद्र में सिलाई–कढ़ाई–बुनाई के साथ–साथ गुड़िया, खिलौने एवं गिफ्ट निर्माण, गुलदस्ता निर्माण, मेंहदी रचना, ब्यूटी पार्लर, पेटिंग जैसी विधाओं में प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं। ऐसी तमाम विधाओं में प्रशिक्षण पाकर समूह की दीदियाँ एवं लड़कियाँ हुनरमंद हो रही हैं और बेहद उत्साह एवं जज्बे के साथ उन्होंने आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम बढ़ा दिया है।

इस प्रशिक्षण केंद्र को शुरू करने में भोला जीविका महिला स्वयं सहायता समूह की सदस्य रेखा देवी और नीलम देवी की अग्रणी भूमिका रही है। सामुदायिक उत्प्रेरक के रूप में काम करने वाली रेखा देवी एवं भोला समूह की कोषाध्यक्ष नीलम देवी ने अपने समूह की दीदियों और आपने पास–पड़ोस की लड़कियों को हुनरमंद बनाकर उन्हें स्वरोजगार से जोड़ने के इरादे से इस प्रशिक्षण केद्र की शुरुआत की है। रेखा दीदी एवं नीलम दीदी की इस शानदार पहल से गाँव की लड़कियों में उत्साह का माहौल है और बड़ी संख्या में जीविका दीदियाँ एवं उसके परिवार की लड़कियाँ यहां प्रशिक्षण पाने के लिए आ रही हैं। नीलम दीदी इन लड़कियों को प्रशिक्षण केंद्र में कपड़ों की सिलाई–कढ़ाई का हुनर सीखा रही हैं। वहीं रेखा देवी यहाँ खिलौने एवं गिफ्ट निर्माण, गुलदस्ता निर्माण, मेंहदी लगाने आदि का ज्ञान दे रही हैं।

सामुदायिक शिकायत प्रबंधन एवं निवारण प्रणाली

आंतरिक विवाद समाधान तंत्र

जीविका परियोजना द्वारा राज्य में स्वयं सहायता समूहों, ग्राम संगठनों, संकुल स्तरीय संघों, उत्पादक समूहों का गठन कर गरीब परिवारों के सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान हेतु विभिन्न गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है। इन सामाजिक एवं आर्थिक गतिविधियों के कारण राज्य के ग्रामीण क्षेत्र में निवास करने वाले गरीब परिवार की महिलाओं में सकारात्मक बदलाव आया है और समुदाय की कार्यविधि में परिवर्तन देखने को मिल रहा है। परियोजना द्वारा गतिविधियों को जिम्मेदाराना प्रयास के साथ संचालित करने के लिए एक अवसर प्रदान किया है, वहीं कुछ लोगों पर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रुप से प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। इन प्रतिकूल प्रभावों की वजह से समुदाय के सदस्य अपनी स्थिति में संभावित समस्याएँ को महसूस करने लगती है, जिससे समुदाय के स्तर पर आतंरिक मतभेद की संभावना बढ़ जाती है।

जीविका दीदियों एवं कैडरों से संबंधित शिकायतों के प्रभावी प्रबंधन एवं निवारण कर उनकी संख्या में कमी करने के उद्देश्य से विवाद समाधान तंत्र के रुप में सामुदायिक शिकायत प्रबंधन एवं निवारण प्रणाली की शुरुआत की गई है। संकुल स्तरीय संघ, प्रखंड परियोजना क्रियान्वयन इकाई, जिला परियोजना समन्वयन इकाई, राज्य परियोजना प्रबंधन इकाई कार्यालयों में शिकायत निवारण समितियाँ गठित की गई हैं, जहाँ जीविका दीदी एवं कैडर शिकायत दर्ज कराते हैं। समुदाय सदस्य, जो जीविका द्वारा संचालित किसी भी संगठन से संबद्ध है, इस प्रणाली के तहत अपनी शिकायत दर्ज कराता है। समुदाय से संबंधित सामूहिक एवं व्यक्तिगत दोनों तरह की शिकायतों का इस प्रणाली के तहत दर्ज एवं निवारण किया जा रहा है।

अब जीविका की पहुँच 10 लाख से अधिक स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से 1 करोड़ से ज्यादा गरीब परिवार तक हो चुकी है। जीविका अंतर्गत गठित सामुदायिक संगठनों एवं समुदाय के सदस्यों के लिए सामुदायिक शिकायत प्रबंधन एवं निवारण प्रणाली एक कारगर मंच के रुप में कार्य कर कर रही है, जहाँ वे अपनी आंतरिक शिकायतें दायर कर उनका हल प्राप्त कर रहे हैं।

जीविका, बिहार ग्रामीण जीविकोपार्जन प्रोत्साहन समिति, विद्युत भवन – 2, बेली रोड, पटना – 800021, वेबसाइट : www.brlps.in

संपादकीय टीम
- श्री ब्रज किशोर पाठक – विशेष कार्य पदाधिकारी
- श्रीमती महुआ राय चौधरी –कार्यक्रम समन्वयक (जी.के.एम.)
- श्री पवन कुमार प्रियदर्शी – परियोजना प्रबंधक (संचार)

संकलन टीम
- श्री राजीव रंजन – प्रबंधक संचार, समस्तीपुर
- श्री राजीव रंजन – प्रबंधक संचार, पूर्णिया
- श्री बिप्लब सरकार – प्रबंधक संचार, कटिहार
- श्री रौशन कुमार – प्रबंधक संचार, बक्सर
- श्री विकाश राव – प्रबंधक संचार, सुपौल
- श्री अभिजीत मुखर्जी – यंग प्रोफेशनल
- श्रीमती प्रिया प्रियदर्शी – डिजाइनर